कामये दुरवतप्रानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष:66 अंक-11 मुम्बई अक्तूबर 2022

महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर उनको शत शत नमन

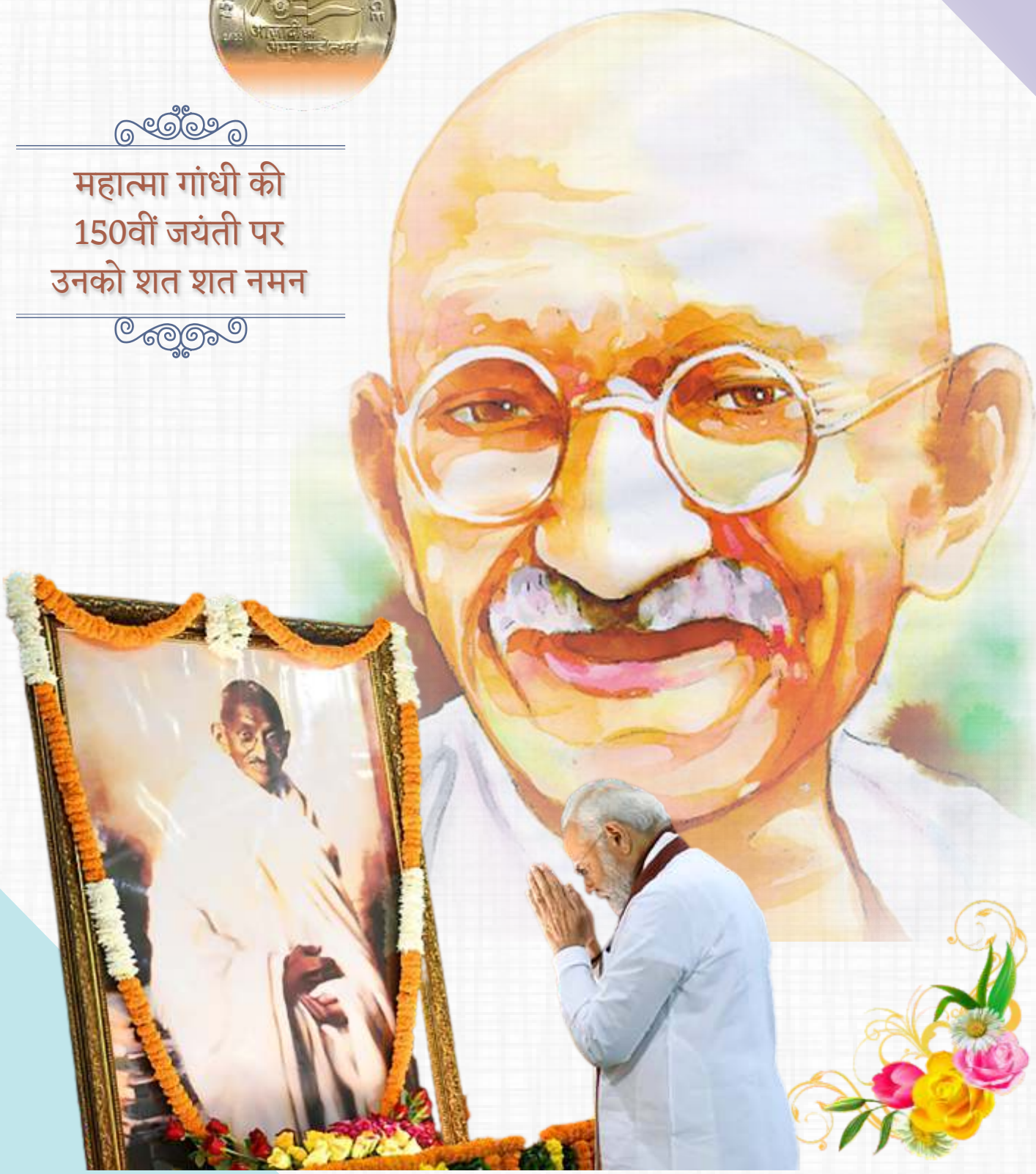

स्वादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
स्वादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष:66 अंक-11 मुम्बई अक्तूबर 2022

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
कलाकार
शेखर पुनवटकर
दिलीप पालकर
उप संपादक
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार 03-23

केवीआईसी के अध्यक्ष का कश्मीर दौरा.....3

केवीआईसी द्वारा चलाया गया विशेष स्वच्छता अभियान.....4

मुंबई के जुहू बीच पर विशेष स्वच्छता अभियान.....5

प्रधानमंत्री के 72वें जन्मदिवस पर कारीगरों को सशक्त बनाने हेतु केवीआईसी ने की 72 पीएमईजीपी इकाइयों की शुरूआत.....8

श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी ने श्री सुनील सेठी, अध्यक्ष, फैशन डिजाइनिंग काउंसिल ऑफ इंडिया से मुलाकात की.....11

आयोग के माननीय अध्यक्ष द्वारा महात्मा गांधी जी की जन्मस्थली कीर्ति मंदिर....12

खादी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध: केवीआईसी के अध्यक्ष ने गुजरात में खादी संस्थाओं का दौरा किया 13

केवीआईसी के अध्यक्ष ने पीएमटीसी पंपोर में कारीगरों को 200 विद्युत चालित कुम्हारी चाक और 12 हाइड्रा पल्पर मशीनें वितरित कीं.....16

खादी इंडिया ने निफ्ट (राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान), गांधीनगर में एक प्रदर्शनी और एक फैशन शो 'अहेली खादी' का आयोजन किया.....18

केवीआईसी ने स्वच्छता अभियान शुरू किया.....20

खादी उत्कृष्टता केंद्र बेंगलुरु में दो दिवसीय कार्यक्रम 'आवर्तन' प्रस्तुत 21

केवीआईसी ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए स्थानीय स्कूलों में आयोजित की विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएँ.....22

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार की अध्यक्षता में श्री महिला गृह आयोग लिज्जत पापड़ की 57वीं वार्षिक आम सभा बैठक षन्मुखानंद हॉल, मुंबई में सम्पन्न हुई.....23

मीडिया कवरेज.....24-27

Khadi India

केवीआईसी के अध्यक्ष का कश्मीर दौरा

आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कश्मीर घाटी का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान श्री मनोज कुमार ने 20.09.2022 को राजबाग में माननीय उप राज्यपाल श्री मनोज सिन्हा से मुलाकात की, जहां उन्होंने केवीआईसी द्वारा कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं के रूप में जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए केवीआईसी द्वारा की गई विभिन्न पहलों के बारे में चर्चा की।

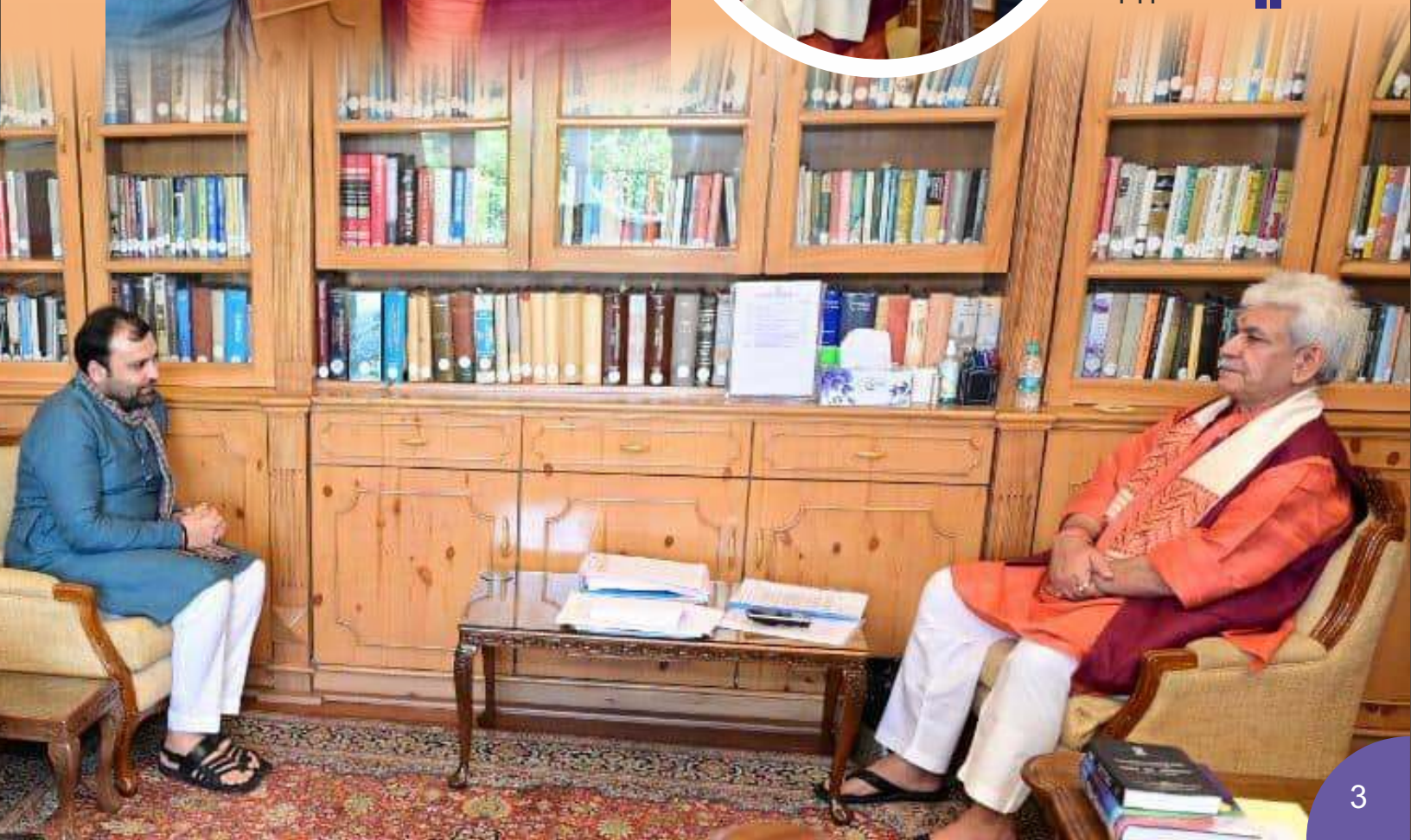

आयोग द्वारा चलाया गया
विशेष स्वच्छता अभियान

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

SWACHHTA SPECIAL
Campaign 2.0

मुंबई के जुहू बीच पर विशेष स्वच्छता अभियान

स्वच्छ भारत मिशन के तहत केवीआईसी ने मुंबई के जुहू बीच पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन मनाते हुए 17 सितंबर 2022 को प्रात: 7.30 से 10 बजे तक स्वच्छता अभियान चलाया। माननीय मंत्री, एमएसएमई श्री नारायण राणे और श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया।

आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय अधिकारियों ने भाग लिया।

स्वच्छ सागर पर टिप्पणी करते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि हमारा मंत्रालय साल भर काम कर रहा है और स्वच्छता अभियान में भाग लेना केवल एक दिन के लिए नहीं बल्कि एक सतत प्रक्रिया होनी चाहिए। यह औपचारिकता नहीं, बल्कि एक आदत होनी चाहिए और नियमित रूप से एक अभ्यास होना चाहिए।

प्रधानमंत्री के 72वें जन्मदिवस पर कारीगरों को सशक्त बनाने हेतु केवीआईसी ने की 72 पीएमईजीपी इकाइयों की शुरूआत

माननीय एमएसएमई मंत्री, श्री नारायण राणे द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार की उपस्थिति में 17 सितंबर, 2022 को पीएमईजीपी के तहत सहायता प्राप्त 72 इकाइयों और 720 पीएमईजीपी लाभार्थियों को मार्जिन मनी सब्सिडी के वितरण का उद्घाटन केवीआईसी कार्यालय, मुंबई में किया गया।

अपने उद्घाटन भाषण में माननीय मंत्री ने कहा "आत्मनिर्भर भारत को मजबूत करने के लिए, मेक इन इंडिया हमारे संगठन का आदर्श वाक्य है "उन्होंने इस बात की सराहना की कि रोजगार के अवसर पैदा करने और उत्पादन बढ़ाने के हमारे माननीय प्रधान मंत्री के इस मिशन में केवीआईसी समर्पित रूप से लगा हुआ है। उन्होंने अच्छी गुणवत्ता पर जोर देते हुए निर्यात बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने आत्मनिर्भर और आत्मानिर्भर भारत के लिए समय की पाबंदी, ईमानदारी और अनुशासन के मंत्र का पालन करने का भी आग्रह किया। इस अवसर पर माननीय प्रधान मंत्री ने सिंधुर्ग, महाराष्ट्र, हिमाचल, जम्मू और कर्नाटक के नए

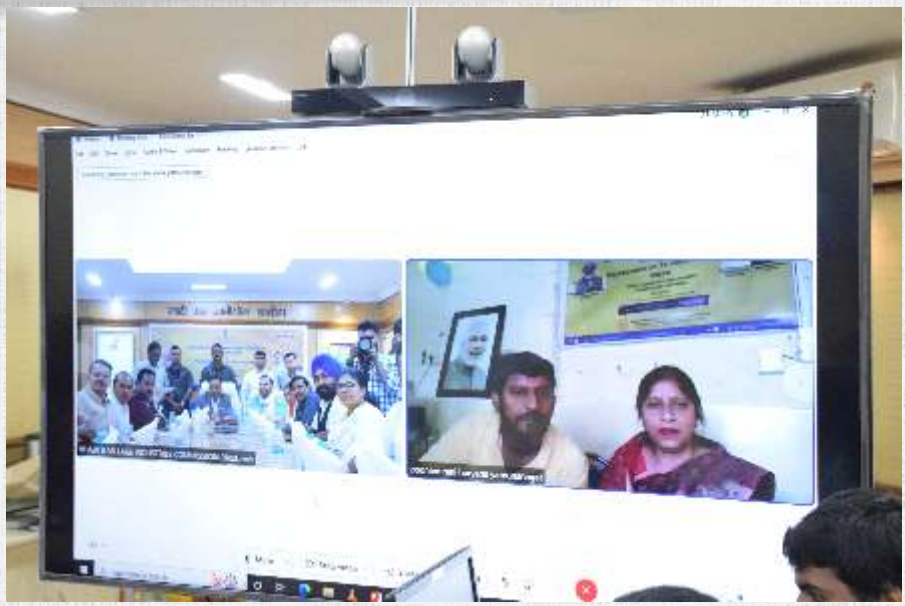

उद्यमियों के साथ ऑनलाइन लाइव बातचीत कर उन्हे प्रोत्साहित किया।

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) एमएसएमई मंत्रालय की एक प्रमुख क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी योजना है जिसे एमएसएमई मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक केवीआईसी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर एकल नोडल एजेंसी के रूप में चलाया जा रहा है, तथा राज्य स्तर पर, यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में राज्य केवीआईसी, राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड (केवीआईबी) और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में जिला उद्योग केंद्रों (डीआईसी) तथा कयर गतिविधियों के लिए कयर बोर्ड के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है। योजना के तहत सरकारी सब्सिडी केवीआईसी द्वारा चिन्हित बैंकों के माध्यम से लाभार्थियों/उद्यमियों को उनके बैंक खातों में संवितरण के लिए प्रेषित की जाती है।

निर्माण क्षेत्र में योजना के तहत सब्सिडी के लिए पात्र परियोजना की अधिकतम लागत रु.50.00 लाख और सेवा क्षेत्र के लिए रु.20.00 लाख है।

इस योजना के तहत केवीआईसी ने अब तक 25105 परियोजनाओं को मंजूरी दी है और कुल 200840 लोगों के लिए रोजगार सृजित किया है, और वर्ष 2022-2023 के दौरान दिनांक 15.09.2022 तक 802.19 करोड़ मार्जिन मनी का संवितरण किया गया है, और उम्मीद की जा रही है कि इन 720 नई परियोजनाओं से 5760 रोजगार के अवसर उत्पन्न होगा तथा रु.27.43 करोड़ की मार्जिन मनी संवितरित की जाएगी।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने रोजगार सृजन में इस भारी उछाल को माननीय प्रधानमंत्री के स्थानीय रूप में विनिर्माण हेतु आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में दिये जाने वाले स्पष्ट जोर का परिणाम बताया। बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं और प्रवासियों को शामिल करके स्थानीय निर्माण और स्वरोजगार पर जोर देना, पीएमईजीपी के तहत स्वरोजगार गतिविधियों को शुरू करने के लिए प्रेरित करना आदि केवीआईसी योजनाओं और कार्यक्रमों को लगातार बढ़ावा देने के लिए माननीय प्रधान मंत्री द्वारा विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से किए गए आव्हान के चलते संभव बनाया जा सका है।

केवीआईसी ने हाल के वर्षों में पीएमईजीपी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कई पहल की हैं। वर्ष 2016 में केवीआईसी ने पीएमईजीपी के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल की भी शुरुआत की है। वर्ष 2016 से पहले, आवेदनों को मैन्युअल रूप से प्रस्तुत किया जाता था, और सालाना औसतन केवल 70,000 आवेदन ही प्राप्त होते थे। लेकिन, ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत होने से हर साल औसतन लगभग ४ लाख आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। ऑनलाइन प्रणाली ने अधिक पारदर्शिता भी लाई है। पीएमईजीपी पोर्टल आवेदकों को बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के अपने आवेदनों को ट्रैक करने में सक्षम बनाता है।

एक अन्य बड़े प्रयास की रूप में, केवीआईसी ने सभी पीएमईजीपी इकाइयों की जियो-टैगिंग भी शुरू कर दी है ताकि किसी भी समय इकाइयों की वास्तविक भौतिक स्थिति और

उनके प्रदर्शन को सत्यापित किया जा सके। अब तक 1.00 लाख से अधिक पीएमईजीपी इकाइयों की जियो-टैगिंग की जा चुकी है। यह किसी भी व्यक्ति को मोबाइल ऐप का उपयोग करके पीएमईजीपी इकाइयों का पता लगाने में सक्षम बनाता है।

इसके अलावा, एमएसएमई मंत्रालय ने केवीआईसी द्वारा प्रदान किए गए इनपुट के आधार पर, पीएमईजीपी परियोजनाओं को मंजूरी देने में जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की भूमिका को हटा दिया, और परियोजनाओं के अनुमोदन के लिए केवीआईसी के राज्य निदेशकों को अधिकृत किया, जो अब इसे सीधे वित्तपोषण करने वाले बैंक को भेजेंगे।

केवीआईसी ने अपने राज्य निदेशकों द्वारा आवेदनों की जांच करने और बैंकों को अग्रेषण की समय सीमा को 90 दिनों से घटाकर केवल 26 दिन कर दिया। इसके अलावा, विभिन्न स्तरों पर बैंकों के साथ मासिक समन्वय बैठकें शुरू की गईं हैं, जिससे लाभार्थियों को समय पर ऋण का वितरण भी सक्षम हुआ है।

श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी ने श्री सुनील सेठी, अध्यक्ष, फैशन डिजाइनिंग काउंसिल ऑफ इंडिया से मुलाकात की

अध्यक्ष, केवीआईसी ने कहा कि यह एक शिष्टाचार मुलाकात थी और बहुत उपयोगी रही। फैशनेबल खादी की बढ़ती लोकप्रियता पर गहन चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि यह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों का परिणाम है कि अब खादी और फैशन साथ-साथ चल रहे हैं।

आयोग के माननीय अध्यक्ष द्वारा महात्मा गांधी जी की जन्मस्थली कीर्ति मंदिर, पोरबंदर का दौरा

कीर्ति मंदिर, पोरबंदर 13 सितंबर, 22 : आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने महात्मा गांधी जी की जन्मस्थली कीर्ति मंदिर, पोरबंदर का दौरा किया और चरखा चलाया।

खादी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध

केवीआईसी के अध्यक्ष ने गुजरात में खादी संस्थाओं का दौरा किया

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 11 सितंबर 2022 को अहमदाबाद के कोचराब आश्रम में गुजरात खादी संस्थाओं के साथ उनके कारीगरों के लिए विकासात्मक भविष्य की योजनाएँ बनाने के लिए खादी संवाद किया।

उन्होंने खादी को फिर से प्रचलित करने के लिए केवीआईसी द्वारा प्रदान किए जा रहे प्रमुख बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और अभिनव उपायों के बारे में विस्तार से चर्चा की, जिसने "आत्मनिर्भर भारत" और "वोकल फॉर लोकल" के सपने को साकार करने के लिए एक ठोस आधार दिया।

खादी संवाद के दौरान श्री मनोज कुमार ने श्रीमती प्रजापति गीताबेन; श्रीमती प्रजापति डिंपलबेन; श्रीमती प्रजापति कंचनबेन; श्रीमती प्रजापति राधाबेन; श्री प्रजापति किशोरभाई; श्री प्रजापति रमेशभाई; और श्री प्रजापति जगदीशभाई जैसे सभी प्रशिक्षित कुम्हारों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक भी वितरित किए।

तत्पश्चात, एक महत्वपूर्ण चर्चा में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने राष्ट्रीय डिजाईन संस्थान (NID) के निदेशक श्री प्रवीण नाहर के साथ खादी में नवाचार और परिवर्तन के बारे में चर्चा की और खादी के विकास पर एक प्रस्तुति दी। केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि युवा डिजाइनरों की जिम्मेदारी है कि वे खादी में बाजार के रुझान के साथ-साथ युवाओं को आकर्षित करने के लिए नए डिजाइन लाएँ। "भारतीय फैशन उद्योग में अन्य प्रमुख खिलाड़ियों की तुलना में खादी की लोकप्रियता का आकलन करने की आवश्यकता है।

उन्होंने खादी में आकर्षक डिजाइन पेश करने के लिए एनआईडी के हस्तक्षेप का भी आग्रह किया ताकि लोग खादी खरीदने के लिए उतने ही आतुर हों जितना वे अन्य वस्त्र खरीदते हैं।

इसके पश्चात, अपने मौजूदा कार्यकाल में ही 12 सितंबर 2022 को केवीआईसी के अध्यक्ष के रूप में श्री मनोज कुमार ने सुरेंद्रनगर में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को 200 मधुमक्खी

बक्से वितरित किए और खादी संस्थानों के साथ खादी संवाद किया।

हनी मिशन ने रोजगार सृजित करने और शहद उत्पादन बढ़ाने के अपने जनादेश के अलावा पर्यावरण को कहीं अधिक लाभ पहुंचाया है।

उन्होंने जोरावरनगर में सर्वोदय विकास मंडल और गोंडल में उद्योग भारती, खादी प्लाजा का भी दौरा किया और खादी संस्थाओं में खादी गतिविधियों का अवलोकन किया।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने पीएमटीसी, पंपोर में कारीगरों को 200 विद्युत चालित कुम्हारी चाक और 12 हाइड्रा पल्पर मशीनें वितरित कीं

दक्षिण कश्मीर, 20.09.2022: माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण और चल रहे आजादी का अमृत महोत्सव के तहत केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने पीएमटीसी पंपोर में कुम्हारी कारीगरों को 200 इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील और पेपर मशीन कारीगरों को 12 हाइड्रा पल्पर मशीनें वितरित कीं। उन्होंने आभासी तौर पर आयोजित एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जम्मू क्षेत्र के अगरबत्ती बनाने वाले कारीगरों को 40 पेडल संचालित अगरबत्ती मशीनें भी वितरित कीं।

श्री मनोज कुमार ने बताया कि इन कारीगरों ने पीएमटीसी पंपोर में

प्रशिक्षण प्राप्त किया है और ये उन्नत उपकरण उन्हें उनके काम में कठिन परिश्रम को कम करने में मदद करेंगे और उन्हें आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि केवीआईसी द्वारा कार्यान्वित एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार की योजनाएं स्थानीय कारीगरों और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए हैं, और केवीआईसी राज्य में स्वरोजगार के अवसर पैदा करने के लिए काम करने का प्रयास करेगा। उन्होंने हर हाथ को पैसा- केवीआईसी की योजना से का नारा भी दिया है।

श्री मनोज कुमार ने कारीगरों से बातचीत भी की और उन्हें लगन से काम करने के लिए प्रेरित किया। पीएमटीसी पंपोर में नवनिर्मित गांधी पार्क का उद्घाटन भी माननीय अध्यक्ष केवीआईसी द्वारा किया गया। यह गांधी पार्क गांधी जी के जीवन को समर्पित है, और इसमें गांधी जी के जीवन के सभी महत्वपूर्ण घटनाओं का चित्रण शामिल हैं।

श्री मनोज कुमार, माननीय अध्यक्ष केवीआईसी ने आज कश्मीर घाटी का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान श्री मनोज कुमार ने राज बाग में माननीय उपराज्यपाल से मुलाकात की, जहां उन्होंने केवीआईसी द्वारा जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए केवीआईसी द्वारा कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं के रूप में केवीआईसी द्वारा की गई विभिन्न पहलों के बारे में चर्चा की। श्री मनोज कुमार ने उत्पाद सह विपणन सह प्रशिक्षण केंद्र (पीएमटीसी) पंपोर, पुलवामा, दक्षिण कश्मीर का भी पहला दौरा किया, जिसने स्थापना के बाद से कश्मीर क्षेत्र में मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से महिलाओं के लिए काटने और सिलाई, कढ़ाई जैसे विभिन्न व्यवसायों और मधुमक्खी पालन जैसे पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान किया है।

प्रवास के अंत में, कश्मीर घाटी के खादी संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के साथ हुई।

खादी इंडिया ने निफ्ट (राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान), गांधीनगर में एक प्रदर्शनी और एक फैशन शो 'अहेली खादी' का आयोजन किया

गांधीनगर, 11 सितंबर, 2022: खादी को एक फैशन फैब्रिक के रूप में स्थापित करने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान को मूर्त रूप प्रदान करना खादी और ग्रामोद्योग आयोग का मुख्य उद्देश्य मुख्य रहा है। "खादी फॉर ऑल" को बढ़ावा देने के लिए प्रधान मंत्री का निरंतर प्रयास रहा है, विशेषकर हमारे समाज के युवाओं के लिए।

युवा उपभोक्ताओं और वैश्विक बाजार तक पहुंचने के इरादे से तथा खादी को एक वस्त्र के रूप में लोकप्रिय बनाने और पारंपरिक व समकालीन परिधानों के लिए इसके उपयोग को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी 'अहेली खादी' और एक फैशन शो का आयोजन खादी इंडिया द्वारा 11 सितंबर 2022 को गांधीनगर में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के ताना रीरी ऑडिटोरियम में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज गोयल ने समारोह में शिरकत की। फैशन शो में प्रतिष्ठित डिजाइनरों, फैशन उद्योग के सदस्यों, छात्रों और खादी संस्थानों की उपस्थिति रही।

खादी, स्वदेशी आंदोलन का प्रतीक है, और इसकी दृढ़ता को एक ऐसे वस्त्र के रूप में स्थापित करने में अग्रणी रहा है जो अपने आप में सशक्तता और आधुनिकता दोनों

लिए हुए है। यही कारण है कि खादी को युवा पीढ़ी का साथ मिला है, क्योंकि यह वस्त्र परे है और पारंपरिक और समकालीन वस्त्रों की साझा उपयोग प्रदर्शित करता है, "अहेली" खादी का मतलब शुद्ध खादी है; जिसका प्रदर्शन फैशन शो के दौरान किया गया है।

योग के लिए परिधान "स्वाधा" जिसे निफ्ट डिजाइनरों द्वारा डिजाइन किए गए संचार के एक प्रभावी माध्यम के रूप में स्वीकार किया गया था, फैशन शो का प्रमुख आकर्षण था।

फैशन शो का एक अन्य आकर्षण था "अहेली"; रैंप पर प्रदर्शित वस्त्र सम्पूर्ण पीढ़ी के उपभोक्ता के लिए डिजाइन करने के लिए खादी संस्थानों से मंगवाए गए थे। निफ्ट डिजाइनरों ने एथनिक, फ्यूजन, वेस्टर्न और कैजुअल लुक से लेकर परिधान और साड़ियों के 6 अलग-अलग संग्रह तैयार किए। मूल्य संवर्धन हेतु खाड़ी वस्त्रों में हाथ की कढ़ाई, सिलाई की डिटेलिंग और हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग का उपयोग किया गया है। होम लिनन संग्रहों को विभिन्न वज़न और धागों के खादी वस्त्रों के साथ डिज़ाइन किया गया था, जिसमें भारतीय शिल्प को एक अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान कर खादी को वैश्विक आकर्षण बनाया गया।

शो को निफ्ट के छात्रों द्वारा डिजाइन और प्रस्तुत किया गया था, जो मॉडल के रूप में रैंप पर भी चले।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज गोयल ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमारा प्रयास है "खादी ग्लोबल" हो। केवीआईसी का उद्देश्य, डिजाइन स्तर पर श्रेष्ठता प्रदान कर खादी को लोगों से जोड़कर इसे बढ़ावा देना और स्थापित करना है, खादी और ग्रामोद्योग आयोग घर और परिधान के क्षेत्र में गैर-बायोडिग्रेडेबल अरक्षणीय उत्पादों को बदलकर पर्यावरण के अनुकूल, टिकाऊ वस्त्र के रूप में खादी के उपयोग को प्रोत्साहित करना चाहता है।

केवीआईसी ने स्वच्छता अभियान शुरू किया

29 सितंबर, 2022: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कई अवसरों पर सभी भारतवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया है। नई दिल्ली के राजपथ पर स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था, 'सिर्फ स्वच्छ भारत के जरिए ही यह देश महात्मा गांधी को उनकी जयंती पर सच्ची श्रद्धांजलि दे सकता है।'

2 अक्तूबर 2014 को देश भर में स्वच्छ भारत अभियान को एक राष्ट्रीय आंदोलन के तौर पर शुरू किया गया था।

प्रधानमंत्री के स्वप्न को साकार करने के लिए खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) अपनी पूरी क्षमता और पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है।

आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने नई दिल्ली के राजघाट पर इस संदर्भ में एक स्वच्छता अभियान की शुरुआत की और स्वच्छता के प्रति अपने संकल्प को दोहराया।

इससे पहले 17 सितंबर 2022 को प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने आयोग के केंद्रीय कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री नारायण राणे के नेतृत्व में मुंबई के जूहू बीच पर एक स्वच्छता कार्यक्रम चलाकर आमलोगों के बीच स्वच्छता के विषय में जागरूकता के प्रसार का प्रयास किया।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने गजानन नाइक बहु उद्देश्यीय प्रशिक्षण केंद्र, दहानू में आयोजित ताड़ गुड़ प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित प्रतिभागियों को उपकरण वितरित किए।

खादी उत्कृष्टता केंद्र, बेंगलुरु में दो दिवसीय कार्यक्रम 'आवर्तन' प्रस्तुत

लोगों से जुड़ने के प्रयास के रूप में खादी उत्कृष्टता केंद्र 16 और 17 सितंबर 2022 को बैंगलोर इंटरनेशनल सेंटर (बीआईसी), बेंगलुरु में दो दिवसीय कार्यक्रम 'आवर्तन' प्रस्तुत किया।

खादी उत्कृष्टता केंद्र (सीओईके) की कल्पना एमएसएमई मंत्रालय द्वारा खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) को राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के सहयोग से युवा दर्शकों और वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के इरादे से की गई थी। इस केंद्र को एक 'हब एंड स्पोक मॉडल' के रूप में स्थापित किया गया है जिसमें दिल्ली 'हब' और बेंगलुरु, गांधीनगर, कोलकाता और शिलॉन्ग 'स्पोक्स' हैं।

इस आयोजन खादी उत्कृष्टता केंद्र के डिजाइनरों द्वारा पैन-जेनरेशनल दर्शकों के लिए डिज़ाइन किए गए घरेलू और परिधान संग्रह का प्रदर्शन किया गया। खादी संस्थानों को यहां अपने कपड़े और साड़ियों की मार्केटिंग करने के लिए आमंत्रित किया गया । सीओईके की टीम द्वारा खादी और इसकी बारीकियों पर इंटरएक्टिव सत्रों की योजना बनाई गई है, जिनके लिए 16 सितंबर को बेंगलुरु के डिजाइन कॉलेजों के छात्रों को आमंत्रित किया गया था । इसके तीन सत्र: खादी को फिर से जोड़ना, नई पीढ़ी के लिए खादी और खादी के लिए डीएनए- ये खादी के टिकाऊपन और विरासत पर बातचीत को प्रोत्साहित करना आदि थे।

सीओईके की एक और पहल 'खादी और कला', विभिन्न कला रूपों के प्रेमियों तक पहुंचने और ये स्वीकार करने का

> "खादी में कला पहले दिल को और फिर आंखों को आकर्षित करती है"
>
> - एम. के. गांधी

जरिया है कि कैसे कला खादी के साथ जुड़ी हुई है। सीओईके ने बेंगलुरु स्थित एक युवा समकालीन डांसर और कोरियोग्राफर कल्याणी शारदा के साथ गठजोड़ किया था। जिन्होंने, 17 सितंबर 2022 को शाम 6 बजे बैंगलोर इंटरनेशनल सेंटर में एक विशेष रूप से कोरियोग्राफ किए गए नृत्य 'आवर्तन' को प्रस्तुत किया। उनकी इस नृत्य प्रस्तुति का मकसद खादी की अनूठी प्रक्रिया को चित्रित करना था। ये कलाकार सीओईके की टीम द्वारा खासतौर पर डिजाइन किए गए खादी के परिधान पहने हुए थे।

इस आयोजन का उद्देश्य खादी को अन्य कला रूपों के साथ एकीकृत करना है ताकि 'खादी की भावना' को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाया जा सके और खादी को नए अर्थों के साथ व्याख्यायित किया जा सके। यह आयोजन, प्रदर्शनी और सत्रों के माध्यम से खादी को युवाओं से जोड़ने पर केंद्रित था और जो खादी संस्थानों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

हिन्दी पखवाड़ा समारोह

केवीआईसी ने हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए स्थानीय स्कूलों में आयोजित की विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएँ

मुंबई, 27 सितंबर 2022: हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर 1953 से पूरे भारत में 14 सितंबर को हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है । खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने मुंबई स्थित अपने केंद्रीय कार्यालय सहित देश भर मे फैले क्षेत्रीय कार्यालयों में 14 सितंबर, 2022 से उत्साह पूर्वक हिन्दी पखवाड़ा मनाने की शुरुआत की अपने विभाग में मनाए जा रहे हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत एक विशेष पहल स्वरूप चार स्थानीय स्कूलों में विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन स्कूली विद्यार्थियों के बीच हिंदी के प्रचार-प्रसार को बढ़ाने के लिए किया।

केवीआईसी के हिंदी विभाग ने हिंदी राजभाषा को स्कूली बच्चों के बीच प्रोत्साहन का कार्य केवीआईसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया। केवीआईसी के हिंदी विभाग ने इस क्रम में सर्वप्रथम सांताक्रूज़ (पश्चिम) स्थित सेठ आनंदीलाल पोद्दार शासकीय विद्यालय में कक्षा छठी से दसवी के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 20 सितंबर को आयोजित किया गया, जिसमें 450 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इन विद्यार्थियों ने स्कूल के प्राधानाचार्य श्री अजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में हिंदी निबंध लेखन तथा हिंदी कहानी लेखन की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इसी प्रयास को आगे बढ़ाते हुए दिनांक 21 सितंबर को गांधी शिक्षण भवन श्री आई जे पटेल माध्यमिक शाला, जुहू में स्कूली बच्चों के लिए हिंदी निबंध लेखन तथा हिंदी रिपोर्ट लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में स्कूल प्रधानाचार्य सुश्री अश्लेषा व स्कूल प्रशासन द्वारा चयनित 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया।केवीआईसी हिंदी के प्रचार-प्रसार की इस मुहिम के अगले चरण में हिंदी निबंध लेखन व हिंदी कहानी लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन विद्यानिधि स्कूल, जुहू में दिनांक 22 सितंबर को किया गया। विद्यानिधि स्कूल के की प्रधानाचार्य श्रीमती नीजम प्रभु के कुशल मार्गदर्शन में कुल 88 विद्यार्थियों ने उक्त प्रतियोगिताओं में रूचिपूर्वक भाग लिया।केवीआईसी ने दिनांक 26 सितंबर को डीएन नगर अंधेरी (पश्चिम) स्थित सेठ सी डी बर्फ़ीवाला हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए हिंदी विचार अभिव्यक्ति प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जिसमें कुल 23 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसी प्रकार वालिया जूनियर कॉलेज, डीएन नगर के 34 विद्यार्थियों ने हिंदी रिपोर्ट लेखन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार की अध्यक्षता में श्री महिला गृह आयोग लिज्जत पापड़ की 57वीं वार्षिक आम सभा बैठक षन्मुखानंद हॉल, मुंबई में सम्पन्न हुई

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा किए जा रहे कार्यों और केवीआई गतिविधियों की समीक्षा के लिए केंद्रीय कार्यालय, केवीआईसी मुंबई और दिल्ली कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में भविष्य की कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई। बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुई

सोशल मीडिया

Khadi India
" The process & spinning yarn in no less than the warship of God."

Khadi India
आप अलग-अलग तरह के कपड़ों से बने कपड़े ले सकते हैं।
लेकिन अगर आप इसमें खादी डालेंगे तो स्थानीय प्रचार के लिए स्वर को गति मिलेगी।

Khadi India
Take to spinning to find peace of mind

Khadi India
"भारत के खादी उद्योग की बढ़ती ताकत में महिला शक्ति का प्रमुख योगदान"

Khadi India
भारतीय समाज में
खादी का इस्तेमाल सभ्यता के आरंभ से ही रहा है।
इसने आजादी की लड़ाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यही कारण है कि
खादी केवल कोई कपड़ा नहीं, बल्कि एक विचार है।

Khadi India
Khadi Cotton Elaksh
Tender Green
Embroidered Cotton
Top Handwoven

Khadi India

सोशल मीडिया

Khadi India
Khadi Signature
Watches by Titan

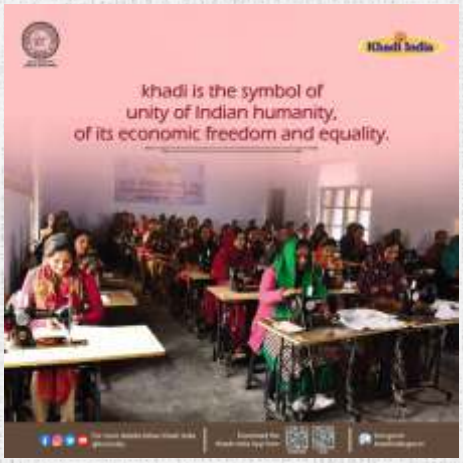
Khadi India
khadi is the symbol of
unity of Indian humanity,
of its economic freedom and equality.

Khadi India
खादी
उत्सव
रेंटिया पर सूत कात कर
7,500 बहनों और बेटियों ने मिलकर
रचा इतिहास

Khadi India

Khadi India
आधुनिक प्रगति के साथ,
खादी का कपड़ा फैशन के अनुरूप
विभिन्न स्वरूपों में उपलब्ध है।

बीते वर्षों से हमारे त्योहारों के साथ देश का एक नया संकल्प भी जुड़ गया है। आप सब जानते हैं, ये संकल्प है – 'Vocal for Local' का। अब हम त्योहारों की खुशी में अपने local कारीगरों को, शिल्पकारों को और व्यापारियों को भी शामिल करते हैं। आने वाले 2 अक्टूबर को बापू की जयन्ती के मौके पर हमें इस अभियान को और तेज करने का संकल्प लेना है। खादी, handloom, handicraft ये सारे product के साथ-साथ local सामान जरूर खरीदें।

हमने देखा है त्योहारों पर packing और packaging के लिए polythene bags का भी बहुत इस्तेमाल होता रहा है। स्वच्छता के पर्वों पर polythene का नुकसानकारक कचरा, ये भी हमारे पर्वों की भावना के खिलाफ है। इसलिए, हम स्थानीय स्तर पर बने हुए non-plastic bags का ही इस्तेमाल करें। हमारे यहाँ जूट के, सूत के, केले के, ऐसे कितने ही पारंपरिक bag का चलन एक बार फिर से बढ़ रहा है। ये हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम त्योहारों के अवसर पर इनको बढ़ावा दें, और स्वच्छता के साथ अपने और पर्यावरण के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखें।
मन की बात

सोशल मीडिया

Khadi India
Khadi can become an inspiration to make India developed and self reliant by 2047

Khadi India
हमने देखा है त्योहारों पर Packing और Packaging के लिए Polythyene Bag का भी बहुत इस्तेमाल होता रहा है।
स्वच्छता के पर्वों पर Polythene का नुकसानकारक कचरा, दो भी हमारे पर्वों की भावना के खिलाफ है।
इसलिए इस स्थानीय स्तर पर बने हुए Non - Plastic Bag का ही इस्तेमाल करें।

वोकल फॉर लोकल
Khadi India
खादी
फॉर नेशन,
खादी फॉर फैशन
1,15,415.22
95,741.74
2,933
2,375

Khadi India
खादी डे सेल
20%
10%

Khadi India
Khadi Cotton Frock with Bloomer
Let your infants snuggle into the comfort of natural, eco-friendly Khadi, the national fabric of India.
Khadi India introduces the most natural protection for the tender and sensitive skin of the new-borns with a range of cotton clothing.

Khadi India
Buy proudly the top quality products, made in rural India by your fellow countrymen !

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को 150वीं जयंती पर शत शत नमन

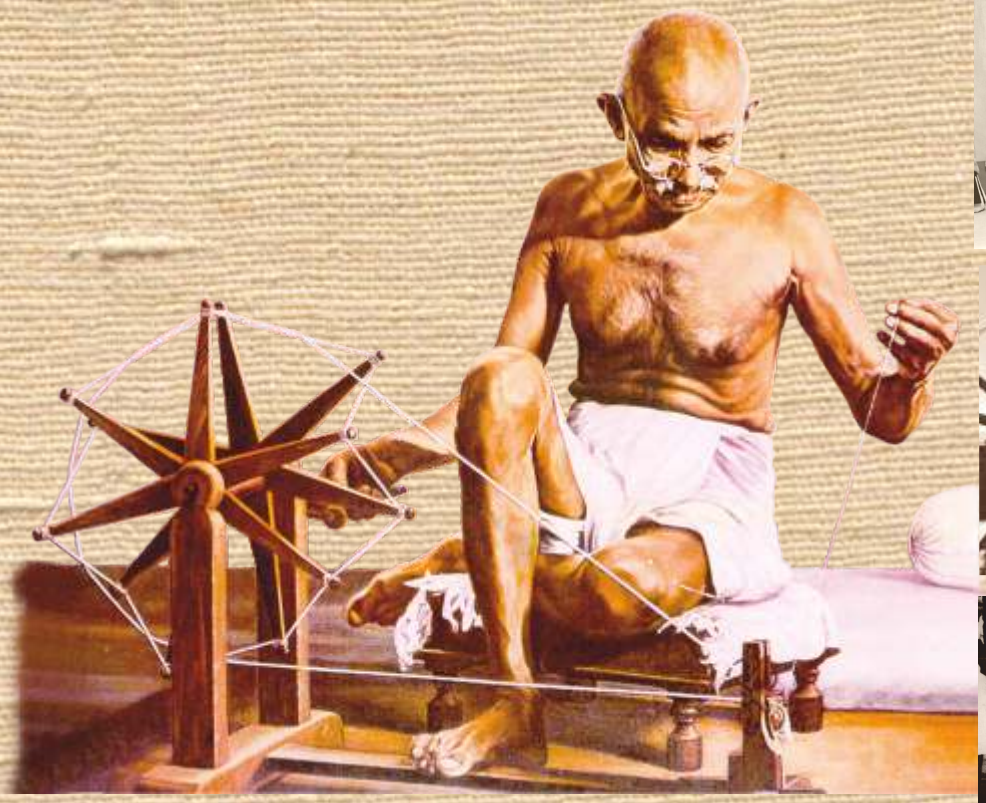

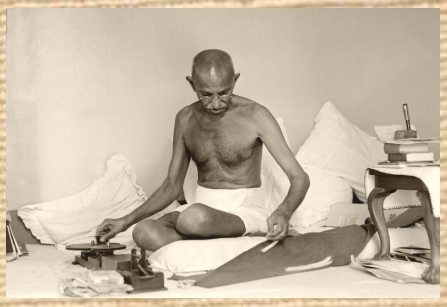

चरखा मेरे लिए जनता की आशा का प्रतिनिधित्व करता है। चरखे के खो जाने से जनता ने अपनी स्वतंत्रता खो दी, जैसे कि वह थी। चरखे ने ग्रामीणों की कृषि को पूरक बनाया और इसे गरिमा प्रदान की। यह विधवा का मित्र और सान्त्वना था। इसने ग्रामीणों को आलस्य से दूर रखा। चरखे के लिए सभी पूर्वकाल और पश्च उद्योग शामिल थे- जिनिंग, कार्डिंग, वारिंग, साइजिंग, रंगाई और बुनाई। ये अपनी बारी में गाँव के बढ़ई और लोहार को व्यस्त रखते थे। चरखे ने सात लाख गांवों को आत्मनिर्भर बनने में सक्षम बनाया। चरखे के बाहर निकलने के साथ ही अन्य ग्रामोद्योग, जैसे कि तेल प्रेस, समाप्त हो गए। इन उद्योगों की जगह कुछ भी नहीं लिया। इसलिए ग्रामीणों को उनके विभिन्न व्यवसायों और उनकी रचनात्मक प्रतिभा और उनके द्वारा खरीदी गई थोड़ी सी संपत्ति से वंचित कर दिया गया।

पश्चिम के औद्योगिक देश दूसरे देशों का शोषण कर रहे थे। भारत स्वयं एक शोषित देश है। इसलिए, यदि ग्रामीणों को अपने आप में आना है, तो सबसे स्वाभाविक बात जो खुद को सुझाती है वह है चरखे का पुनरुद्धार और इसका मतलब।

(हरिजन,13-4-1940)